हमारे अगुवों की ओर से सन्देश

सताव पिछला और वर्तमान

फोटोः जे. नेलसन क्रेबिल

विज्ञप्ति जारी करने की तारीखः मंगलवार, 11 जुलाई 2017

आरम्भिक ऐनाबैपटिस्ट लोगों ने जर्मनी के आग्सबर्ग में लार्ज व्हाइट हाऊस (इस तस्वीर में बाएं) के पास एकत्रित होने के लिए एक बड़ी कीमत चुकाई थी। जर्मन मेनोनाइट इतिहासकार, धर्मज्ञानी और शान्ति कार्यकर्ता वुल्फगैंग क्रॉस ने इस घटना का वर्णन वर्तमान ऐनाबैपटिस्ट लोगों से किया जो फरवरी 2017 में मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस कार्यकारिणी समिति की सभाओं के दौरान ऑग्सबर्ग के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर रहे थे।

1528 के पुनरूत्थान पर्व के रविवार को, 100 ऐनाबैपटिस्ट लोग इस घर में गुप्त रूप से मिले कि यीशु के पुनरुत्थान का उत्सव मनाए। जब उन्हें यह पता चला कि सरकारी अधिकारी उन पर नज़र रखे हुए हैं तो उनमें से कुछ भाग गए, परन्तु 88 लोग वहीं रह गए। पुलिस ने इस भवन में छापा मारा, और वहाँ आराधना कर रहे सब लोगों को जंजीरों से बांध कर ले गए। इन में से जो लोग ऑग्सबर्ग के बाहर से आए थे उन्हें अधिकारियों ने बाहर निकाल दिया और जो स्थानीय थे उन्हें कोड़ों से मारा। उन्होंने कुछ लोगों को यातनाएं दी, और झुकने से मना करने पर समूह के अगुवे को मार डाला।

किसी ने टिप्पणी की, ''परमेश्वर का धन्यवाद हो कि आज ऐनाबैपटिस्ट लोगों को कोई नहीं सताता'' – इस पर एक अन्य महाद्वीप के एक व्यक्ति ने तुरन्त कहा, ''नहीं, हम सताए जाते हैं।''

ऐसे देशों में जहाँ मसीहियों को तुच्छ जाना जाता है या वे बहुत कम संख्या में हैं, ऐनाबैपटिस्ट लोगों को अपने विश्वास के आधार पर यीशु के पीछे चलने का निर्णय लिये जाने पर बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है।

जे. नेलसन क्रेबिल